Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 24-11-2006

Participants : Verma Shri Bhanu Pratap Singh

an>

Title: Reported suicides committed by farmers in Bundelkhand, U.P.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन): सभापति महोदया, मैं उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र, जहां किसान भूख के मारे आत्महत्याएं कर रहे हैं, वह बुंदेलखंड क्षेत्र, जहां आजादी की लड़ाई में इन्होंने अपना खून-पसीना एक करके देश को आजाद कराया है। बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है और वहां अभी दो माह के अंतराल में उत्तर प्रदेश में 52 लोगों ने आत्महत्याएं की हैं, जिसमें से मात्र 22 बुंदेलखंड के लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। उसमें झांसी जिले के गांव टेहरी में बबलू नाम के एक लड़के ने 23 मार्च को आत्महत्या की है। ललितपुर में श्रीपति लोधी ने आत्महत्या की है।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: भानु जी, आत्महत्याएं की हैं, इसमें आप केन्द्र सरकार से क्या चाहते हैं?

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : मैडम, जो आत्महत्याएं कर रहे हैं, उनके नाम हम दे रहे हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: आपको नाम देने की जरूरत नहीं है, आप यह बताइए कि आप केन्द्र सरकार से क्या चाह**ते हैं?**यहां मंत्री जी बैठे हैं, नोट करेंगे।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : हमारा बुंदेलखंड चार साल से सूखे की मार झेल रहा है। पिछली बार भी सन् 2004-05 में उत्तर प्रदेश सरकार ने उसे सूखाग्रस्त क्षेत्र घोति किया था, लेकिन उन्होंने जो मुआवजे के रूप में किसानों को धन दिया था, वहां 10-15 और 25 रुपए का चैक दिया, यह कोई मुआवजा है।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: यह उत्तर प्रदेश की सरकार से जुड़ा मामला है।। आप अपनी बात बताइए कि आप केन्द्र सरकार से क्या चाहते हैं?

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : जब पिछला सत्र समाप्त होने वाला था, उस समय मैं प्रधानमंत्री जी सेमिला था, उन्हें मैंने बुंदेलखंड के बारे में अवगत कराया था और उनसे यह कहा था,...(व्यवधान)

सभापति महोदया: आप अपनी बात रखने में असमर्थ हैं, आप एक लाईन में कहिए कि यह जो किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं, उनके लिए आपको केन्द्र सरकार से क्या चाहिए? आप अपनी बात कहने में असमर्थ हैं, इसलिए आप कुछ बता नहीं पा रहे हैं। आप सब की एक कहानी जैसे बता रहे हैं।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : मैडम, कहानी नहीं, जो आत्महत्याएं की हैं, उन लोगों के नाम बता रहा **हूं**। आत्महत्याएं जो कर रहे हैं, उत्तर प्रदेश की सरकार यह कहेगी कि इन लोगों ने आत्महत्याएं नहीं कीहैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: भानु जी, धन्यवाद।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : सभापति महोदया, हमें अपनी बात कहने दीजिए, हम सुबह से यहां बैठे हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: आपने अपनी बात कह ली है।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : हमें अपनी बात थोड़ी कहने दीजिए, वहां लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं। उन्**हें** पानी, खाद एवं बहुत सी अन्य चीजें नहीं मिल रही हैं। ...(व्यवधान) हम अपनी ये बातें कहां उठाएंगे?

सभापति महोदया: आप क्या चाहते हैं, वह बताइए?

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : हम लोक सभा के सदस्य हैं।...(व्यवधान) पिछली बार जब सत्र समाप्त हुआ था, उस समय माननीय प्रधानमंत्री जी से हम मिले थे। उनसे हमने कहा था कि जैसे विदर्भ को आपने विशेा पैकेज दिया है, उसी तरह बुंदेलखंड को भी पैकेज दिया जाए। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया था कि निश्चित ही हम एक टीम भेज करके सर्वेक्षण कराएंगे।...(व्यवधान) ये सारी चीजें अभी तक नहीं हुई हैं, इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: आप पुन: प्रधानमंत्री जी से मिल सकते हैं। आपको जो बात यहां कहनी है, वह कहिए। आप जो पैकेज की बात कर रहे हैं, वह कहिए।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : वहां कब से सूखा है।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: भानु जी, आप अपनी बात उठाने में सक्षम नहीं रहे, आपने इतनी सारी बातें बताईं, लेकिन क्या मांग है, वह नहीं बता पाए। आपकी केन्द्र सरकार से क्या मांग है, वह आप एक लाईन में बता दीजिए।

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : हमारी केन्द्र सरकार से यह मांग है कि हमने जो पैकेज की मांग की थी, विदर्भ की तरह से उत्तर प्रदेश को भी पैकेज दिया जाए और किसान जो आत्महत्याएं कर रहे हैं, उनकी जांच करके, उन्हें विशेा तौर से जो सहायता दी जा सकती है, वह दी जाए, यह हमारी मांग है।